टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

Great Place To Work.
Certified
JUN 2024-JUN 2025
INDIA

जनवरी, 2025

गंगावतरणम
GANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...
समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ठ सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर
श्री आर. डी. मंमगाई
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक(जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

CONTENTS

1. CMD's Republic Day Message ——— 3.

2. Republic Day celebrations ——— 6.

3. THDC-IKCA Academy brought laurels at Asia Canoe Sprint Cup, Hongkong ——— 8.

4. First Unit of 1320 MW KSTPP achieved its COD ——— 9.

5. THDCIL conferred with Rajbhasha Puarskar ——— 10.

6. A medical talk on Healthy Heart and Lifestyle ——— 11.

7. Eye OPD in collaboration with Nirmal Eye Institute ——— 12.

8. VPHEP: Assembly of the Rotor and Stay Ring of Unit-1 Turbine at the powerhouse service bay commenced & THDCIL organized Eye OPD ——— 13.

9. A free medical camp organized at Triveni Ghat, Rishikesh ——— 14.

10. Ladies Welfare Association conducted various activties ——— 15.

11. Various activities at VPHEP & New Joinees in THDCIL ——— 16.

12. School students visited VPHEP & Awareness session on Vitamin D ——— 17.

13. TB Awareness Campaign by GOI ——— 18.

14. Retirement ——— 19.

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:
Let noble thoughts come to us from every side.

गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय का संबोधन

“भारत के लोकतंत्र की सदा ही जय-जयकार हो
विश्व के पटल पर अब विजय भारत के संस्कार हों“

टीएचडीसी परिवार के मेरे प्रिय सदस्यों, परियोजना प्रभारी, सभी विभागों के प्रमुख, अधिकारी/ कर्मचारी तथा उनके परिवार के सभी सदस्यगण, सी.आई.एस.एफ के जवान, समस्त सुरक्षा स्टाफ, देवियों और प्यारे बच्चों, आप सभी को देश के 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

आज, हमारे राष्ट्र के 76वें गणतंत्र दिवस के इस पावन अवसर पर, आप सभी को संबोधित करते हुए मैं अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। गणतंत्र दिवस का यह दिन न केवल हमारे गणतंत्र की स्थिरता और मजबूती का प्रतीक है, बल्कि यह हमें हमारी जिम्मेदारियों को याद दिलाकर उनका निर्वहन करने का भी दिन है।

गणतंत्र दिवस न केवल एक ऐतिहासिक दिवस है, बल्कि यह हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर भी है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और बलिदान से हमें यह गणतंत्र दिया। जैसा कि हम सभी को ज्ञात है कि 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और हमें एक स्वतंत्र, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, और लोकतांत्रिक गणराज्य होने का गौरव प्रदान हुआ। "यह केवल अधिकारों की बात नहीं, यह कर्तव्यों की चेतना भी है।”

गणतंत्र दिवस न केवल गर्व और उत्सव का दिन है, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण और नव-निर्माण का भी अवसर है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारे प्रयास केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं, बल्कि हमारे समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए होने चाहिए। साथियों, इस अवसर पर, हम उन महान स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने साहस और बलिदान से हमें यह महान गणतंत्र दिया। उनका संघर्ष केवल इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह हमारा मार्गदर्शन करता है कि हम अपने कार्यों से इस राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाएं।

साथियों, आज भारत न केवल वैश्विक मंच पर एक शक्ति के रूप में उभर रहा है, बल्कि अन्य देशों के लिए उदाहरण भी साबित हो रहा है और वे भारत की ओर सम्मानित भाव से देख रहे हैं | चाहे विषय ऊर्जा उत्पादन का हो या स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकी विशेषज्ञता, रिसर्च या राष्ट्र निर्माण का, हमारा देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है |

जब हम एक विकसित भारत की ओर अपने कदम बढ़ा रहे हैं तो यह गर्व का विषय है कि हमारा संगठन टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में एक सशक्त सहयोगी बनकर उभर रहा है। टीएचडीसी का उद्देश्य केवल विद्युत उत्पन्न करना नहीं, बल्कि हर भारतीय के जीवन को ऊर्जा से रोशन करना है। हमारा ध्येय, “विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...” इस बात का प्रतिबिंब है कि हम ऊर्जा से जीवन बदलने के अपने लक्ष्य में पूरी निष्ठा से कार्यरत हैं।

साथियों, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, जो राष्ट्र की प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, सदैव अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा के साथ निभाता आ रहा है। सन् 1988 में एक साहसिक शुरुआत करने वाला यह संगठन आज 1587 की कुल संस्थापित क्षमता के साथ ऊँचाइयों को छू रहा है। 1587 की संस्थापित क्षमता के साथ ही हमारी 2764 मेगावाट की परियोजनाएं कमीशनिंग के अंतिम चरणों में पहुँच चुकी हैं और साथ ही निगम ने लगभग 10,000 मेगावाट की अतिरिक्त पीएसपी एवं जलविद्युत ऊर्जा का दोहन करने हेतु महाराष्ट्र, कर्नाटक और अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ विभिन्न करार स्थापित किए हैं |

हमारी वर्तमान संस्थापित क्षमता में उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मेगावाट की टिहरी एचपीपी, कोटेश्वर में 400 मेगावाट की एचईपी, गुजरात के पाटन में 50 मेगावाट और द्वारका में 63 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजनाएं हैं। इसके साथ उत्तर प्रदेश के ढुकवाँ में 24 मेगावाट की लघु जलविद्युत परियोजना के साथ केरल के कासरगोड में 50 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना के सफलतापूर्वक कमीशनिंग का श्रेय हमें प्राप्त है। हम जलविद्युत, थर्मल ऊर्जा और अन्य ऊर्जा क्षेत्रों के माध्यम से देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल और किफायती ऊर्जा समाधान प्रदान करने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

मुझे यह बताते हुए गौरव हो रहा है कि 1000 मेगावाट की टिहरी एचपीपी ने अगस्त 2024 में 25.89 मि. यू. का अपना उच्चतम एक-दिवसीय ऊर्जा उत्पादन दर्ज करके उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, जो 2023 में स्थापित 25.80 मि. यू. के रिकॉर्ड को पार कर गया। यह उत्कृष्ट उपलब्धि संयंत्र संचालन को अनुकूलित करने में टीम के समर्पण और दक्षता को दर्शाती है।

इसके साथ ही 2764 मेगावाट की क्षमता की परियोजनाएं कमीशनिंग के अंतिम चरणों में पहुँच चुकी हैं | जिसमें देश के विद्युत क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा बनाए जाने वाली सबसे बड़ी 1000 मेगावाट की टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना, देश में सबसे तेजी से विकसित की जा रही परियोजनाओं में से एक 1320 मेगावाट की हमारी महत्वाकांक्षी खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना और 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं|

गणतंत्र दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर, मुझे बहुत गर्व है कि मैं आपके साथ निगम की एक बड़ी उपलब्धि साझा कर रहा हूँ। हमने आज के इस शुभ दिवस पर खुर्जा सुपर थर्मल परियोजना का कॉमर्शियल ऑपरेशन डेट (COD) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह ऊर्जा उत्पादन में उत्कृष्टता की हमारी यात्रा में एक नया अध्याय है और देश की बढ़ती ऊर्जा माँगों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह सफलता हमारी टीम के सभी सदस्यों, हितधारकों और भागीदारों की कड़ी मेहनत और समर्पण के बिना संभव नहीं होती। मैं इस परियोजना को वास्तविकता बनाने के लिए आपकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ और बधाई देता हूँ।

साथ ही जैसा कि आपको ज्ञात है कि सितंबर 2024 माह में 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में प्रमुख उपलब्धि दर्ज की गई । जिसमें डबल शील्ड टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) "नंदाकी" ने हेड रेस टनल (एचआरटी) के 509 मीटर का काम पूरा किया जिसमें 2,016 कंक्रीट-लाइन वाले सेगमेंट स्थापित करना शामिल रहा। हिमालयी भूविज्ञान को देखते हुए यह कार्य चुनौतीपूर्ण था, जिसमें हमारी टीम ने परस्पर मेहनत से उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की । इसके साथ ही इस परियोजना से जुड़े अन्य कार्य भी संतोषजनक प्रगति कर रहे हैं |

साथियों, इन सभी परियोजनाओं के कमीशन होते ही हम हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 24 घंटे सातों दिन किफायती ऊर्जा देश में उपलब्ध कराने के सपने को साकार करने में सफल होंगे | टीएचडीसी न केवल ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखता है बल्कि स्वच्छ, हरित और सतत विकास की दिशा में कार्य कर रहा है। हमारा मानना है कि ऊर्जा केवल उत्पादन नहीं, बल्कि समाज में समृद्धि और स्थायित्व का आधार बनना चाहिए।

इसके अलावा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सिंगरौली में अमेलिया कोल माइन परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है । 20 जनवरी, 2025 तक, हमारा कोयला उत्पादन 43.25 लाख टन तक पहुँच गया है, जिसमें एनटीपीसी को 39.92 लाख टन और खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना को 2.13 लाख टन कोयला भेजा गया है। कुल मिलाकर, एनटीपीसी और खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना को भेजा गया कोयला 42.05 लाख टन रहा। यह उपलब्धि हमारी परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक पूरा करने और देश की ऊर्जा जरूरतों में महत्वपूर्ण योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पिछले तीन वर्षों में, हमने 400 से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं, जिससे न केवल हमारा तकनीकी ज्ञान मजबूत हुआ है, बल्कि राष्ट्रीय विकास में भी हमारी भागीदारी बढ़ी है।

सरकारी एजेंसियों के साथ एमओयू हस्ताक्षर कर, हमने अपने दृष्टिकोण को देश के कोने-कोने तक पहुँचाया है। परामर्श सेवाओं के माध्यम से हमने पिछले वित्तीय वर्ष में ₹30 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो हमारी व्यावसायिक दक्षता और दूरदृष्टि का प्रमाण है।

मुझे गर्व है कि टीएचडीसी ऊर्जा क्षेत्र के साथ-साथ मानव संसाधन विकास में भी उत्कृष्टता की मिसाल बन गई है। 'स्कोप बेस्ट एचआर प्रैक्टिसेस अवार्ड' और 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' जैसे सम्मान, हमारे कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच के विश्वास और सामंजस्य का प्रमाण हैं और निगम के प्रबंधन की उत्कृष्ठ कार्मिक नीतियों और पहलों को दर्शाता है | मैं यह गर्व से बताना चाहूँगा कि जो बेस्ट एचआर पॉलीसीज़ और इनिशियेटिव्स अन्य पीएसयू में उपलब्ध हैं वह आपको टीएचडीसी में भी प्रदान किए जा रहे हैं और हम किसी भी मायने में किसी उपक्रम से पीछे नहीं हैं |

इसी के साथ राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में निगम द्वारा बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा सितंबर, 2024 को राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2023-24 के राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के अंतर्गत 'क' क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी के अंतर्गत निगम को प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। इसके पीछे निगम के प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी की निगम में राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

प्रिय साथियों, टीएचडीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। हमारा तक्षशिला प्रशिक्षण केंद्र न केवल हमारे कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण दे रहा है, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और कौशल विकास की नई परिभाषा भी गढ़ रहा है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कोटेश्वर में हमने जो हाई परफॉरमेंस वाटर स्पोर्ट्स अकादमी विकसित की है, वह हमारे एथलीटों को असाधारण प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। हाल ही में 11-13 जनवरी, 2025 तक हांगकांग में आयोजित एशियाई कप में मिली सफलता से इसकी पुष्टि होती है। इस प्रतिष्ठित आयोजन के दौरान, सर्विसेज़ टीम के एथलीटों ने उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करते हुए, विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स श्रेणियों में 4 स्वर्ण पदक और 3 रजत पदक हासिल किए। यह उपलब्धि उत्कृष्टता के प्रति अकादमी के समर्पण और हमारे एथलीटों की उत्कृष्ट प्रगति को दर्शाती है। ऐसी उल्लेखनीय उपलब्धियां न केवल सभी के लिए गौरव का क्षण हैं, बल्कि इससे टीएचडीसी को राष्ट्रीय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी वाटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में पहचान मिल रही है |

यह सभी उपलब्धियाँ आप सब की परस्पर मेहनत और लगन का परिणाम है | मैं मानता हूँ कि निगम के कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य दो मजबूत स्तम्भ हैं जिस पर निगम की नींव टिकी है | इस अवसर पर मैं आप सभी के परिवार के सदस्यों का विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहता हूँ जिन्होंने हर कदम पर निगम की सफलता में बराबर योगदान दिया है | क्योंकि यदि हमारे अधिकारी/ कर्मचारी अपनी पूरी लगन और दृढ़ संकल्प से कार्य कर पा रहें हैं तो वह केवल इसीलिए मुमकिन है क्योंकि उनके परिवार के सदस्य उनके साथ खड़े रहते हैं |

अंत में, मैं आप सबसे यह कहना चाहता हूँ कि गणतंत्र दिवस हर भारतीय के लिए गर्व, विश्वास और योगदान का प्रतीक है। एक बार पुनः मैं हमारे वीर जवानों को नमन करता हूँ और उनके द्वारा दिए गए बलिदानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इन पंक्तियों के साथ, मैं अपने शब्दों को विराम देना चाहता हूँ।

चलो नए इरादों से, नए भारत को सजाएँ,
हर कदम के साथ, यह वतन ऊँचाई पर जाए।
हम न केवल निर्माण करें, बल्कि उजाले को फैलाएँ,
हर दिल में उम्मीद जगे, हर घर में रोशनी लाएँ।

धन्यवाद।

जय हिंद! जय भारत !

(आर. के. विश्नोई)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

उत्साह व हर्षोल्लास से मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस

ऋषिकेश

26 जनवरी, 2025 को कॉरपोरेशन के सभी कार्यालयों तथा यूनिट इकाइयों में देश का 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया गया। साथ ही, परियोजना कार्यालयों में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के भाषण को लाइव माध्यम से सुना गया। इस अवसर पर श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक) एवं श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त) ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकी।

झंडा ऊंचा रहे हमारा

खुर्जा

श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) ने 1320 मेगावाट खुर्जा सुपर थर्मल पावर परियोजना में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:
Let noble thoughts come to us from every side.

विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता...समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता...

टिहरी

श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर संबोधित करते हुए।

कौशांबी

श्री नीरज वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (प्रभारी) एनसीआर कार्यालय गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए।

पीपलकोटी

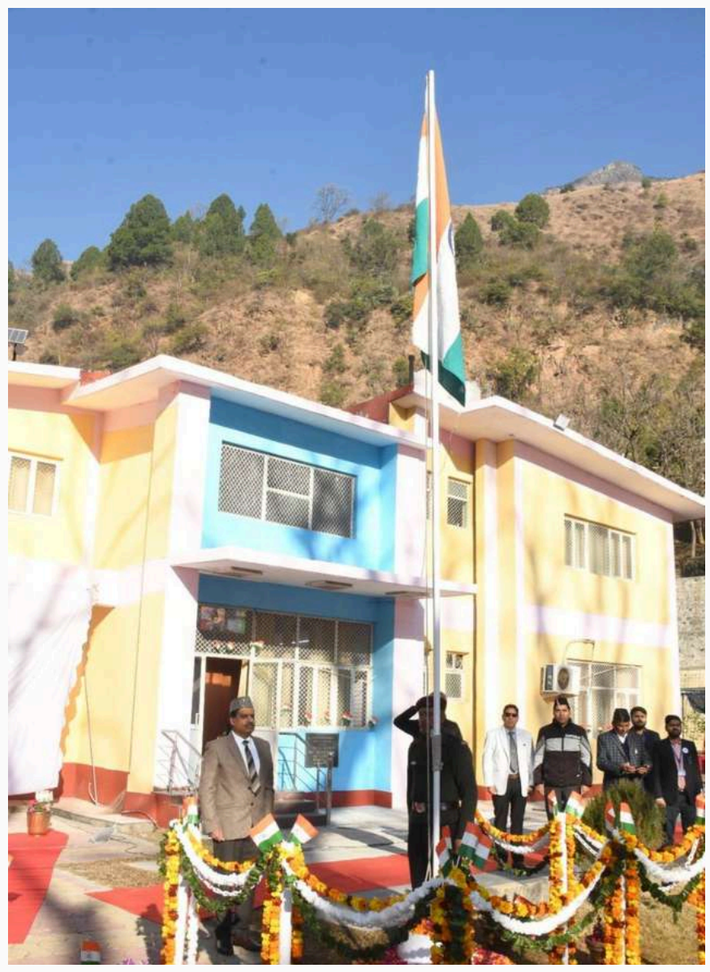

श्री अजय वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना) द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

अमेलिया

गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर अमेलिया कोल माइन परियोजना में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दृश्य।

देहरादून

गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर देहरादून कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दृश्य।

जयपुर

गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर जयपुर कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दृश्य।

कासरगॉड

गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर 50 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दृश्य।

अरुणाचल प्रदेश

76वें गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर अरुणाचल प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दृश्य|

मोरी-हनोल

मोरी-हनोल कार्यालय में गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का दृश्य।

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:

Let noble thoughts come to us from every side.

टीएचडीसीआईएल-आईकेसीए अकादमी ने एशियाई कैनो स्प्रिंट कप, हांगकांग में 3 स्वर्ण और 5 रजत प दक जीतकर देश को किया गौरवान्वित

अंतरराष्ट्रीय खेल के क्षेत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए, टीएचडीसी- आई.के.सी.ए. हाई-परफॉर्मेंस अकादमी ने 11 से 13 जनवरी, 2025 तक हांगकांग में आयोजित एशियाई कैनो स्प्रिंट कप में तीन स्वर्ण और पांच रजत पदक हासिल किए। इस शानदार उपलब्धि पर टीएचडीसी के सीएमडी, श्री आर. के. विश्नोई ने खिलाड़ियों को बधाई दी | इस अवसर पर श्री विश्नोई ने कहा कि "अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करके, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे एथलीटों के पास उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए सर्वोत्तम संसाधन हों। हमारे एथलीटों की सफलता, भारत और उत्तराखंड के लिए गौरव का क्षण है। टीएचडीसी-आईकेसीए हाई-परफॉर्मेंस अकादमी ने इस प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और मैं टीएचडीसीआईएल-आईकेसीए हाई-परफॉर्मेंस अकादमी टीम के प्रत्येक सदस्य को हार्दिक बधाई देता हूं जिनकी प्रतिबद्धता एथलीटों के कौशल को निखारने में सहायक रही है।"

टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने इस उपलब्धि पर खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि एशियाई कैनो स्प्रिंट कप में टीएचडीसीआईएल-आईकेसीए एथलीटों की सफलता टीएचडीसी और आईकेसीए का खिलाड़ियों के प्रति समर्पण, ट्रेनिंग, कौशल और मजबूत बुनियादी ढांचे को दर्शाती है। टीएचडीसी राष्ट्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास के अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देते हुए भारत के ऊर्जा क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। टीएचडीसी का मुख्य व्यवसाय ऊर्जा उत्पादन करना है और इस क्षेत्र में निगम ने लगातार उच्च स्तर का प्रदर्शन किया है तथा नए औद्योगिक बेंचमार्क स्थापित किए हैं। कंपनी सर्वोत्तम मानव संसाधन सुविधाओं के लिए भी जानी जाती है। टीएचडीसी ने हमेशा विभिन्न संगठनात्मक पहलों में, परियोजनाओं के आसपास के सभी हितधारकों यानी स्थानीय लोगों को शामिल करने का प्रयास किया है। टीएचडीसी-आईकेसीए हाई-परफॉर्मेंस अकादमी समावेशी और समग्र विकास की दिशा में हमारे प्रयासों का एक प्रमाण है और एशियाई स्तर के खेलों में पुरस्कार प्राप्त करना न केवल टीएचडीसी के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए बहुत गर्व की बात है। इस अकादमी के माध्यम से, निगम का लक्ष्य भारतीय एथलीटों की अगली पीढ़ी का कौशल विकास करना है एवं उन्हें विश्व मंच पर उत्कृष्टता हासिल करने में सहायता करना है। आने वाले समय में टीएचडीसी हमारे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय, एशियाई खेलों और ओलम्पिक स्तर के प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने के लिए तत्पर है।

टीएचडीसीआईएल-आईकेसीए अकादमी के एथलीटों ने विभिन्न श्रेणियों में असाधारण परिणाम दिए। एल. नाओचा सिंह ने K1 1000 मीटर और K2 1000 मीटर, दोनों स्पर्धाओं में रजत पदक जीते, जबकि विष्णु रघुनाथ ने K2 1000 मीटर में रजत पदक अर्जित किया। प्रोहित बरोई ने भी K2 500 मीटर में रजत पदक हासिल किया और अर्जुन सिंह ने U-23 C1 23 किलोमीटर श्रेणी में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। पार्वती जी ने K1 200 मीटर और K2 500 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर असाधारण एथलीटों में से एक बनकर उभरी। इसके अतिरिक्त, चौ. देवब्रत सिंह ने K2 500 मीटर में रजत पदक जीता, और ज्ञानेश्वर सिंह ने C1 500 मीटर में स्वर्ण पदक जीता। ये परिणाम उस उत्कृष्टता के स्तर को रेखांकित करते हैं जिसे अकादमी ने अपने एथलीटों के बीच बढ़ावा दिया है।

आने वाले समय में THACK अकादमी, एथलीट ओलंपिक और अन्य प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा करने की आकांक्षाओं के साथ अपने करियर में और भी अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए तैयार है। टीएचडीसी के निरंतर सहयोग के साथ अकादमी इन एथलीटों को वैश्विक सफलता हासिल करने और भारत को और अधिक गौरवान्वित करने के लिए आधार प्रदान कर रही है।

श्री एल. पी. जोशी, कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री प्रशांत कुशवाहा, अध्यक्ष (आई.के.सी.ए.), डॉ. डी.के. सिंह, महासचिव (उत्तराखण्ड ओलंपिक संघ), डॉ. अमरनाथ त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन, प्रशासन एवं केन्द्रीय संचार), डॉ. सुमंत कुलश्रेष्ठ, निदेशक (टीएचडीसी-आईकेसीए अकादमी) ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

टीएचडीसी ने 1320 मेगावाट के खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट की प्रथम यूनिट के वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) की घोषणा के साथ ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने 1320 मेगावाट के खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट (केएसटीपीपी) की प्रथम यूनिट के वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) की घोषणा के साथ भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता को सुदृढ करने की अपनी प्रतिबद्धता में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने इस अवसर पर कहा कि यह गर्व का क्षण है कि 1320 (2X660) मेगावाट की केएसटीपीपी की प्रथम यूनिट की वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) 25 जनवरी, 2025 की मध्यरात्रि में घोषित की गई । पारंपरिक रूप से, टीएचडीसी का मुख्य व्यवसाय क्षेत्र जल विद्युत रहा है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि कंपनी की क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन है। साथ ही, थर्मल पावर क्षेत्र में इसकी उत्कृष्टता और विशेषज्ञता को भी प्रदर्शित करती है जो कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की यात्रा को आगे बढ़ाने में सहयोग प्रदान करता है। इस यूनिट के सफल कमीशन के साथ, टीएचडीसी राष्ट्र के विकास को शक्ति देने और इसके सतत ऊर्जा भविष्य में योगदान देने में और प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस परियोजना की आधारशिला भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई थी और वर्तमान में ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइजेशन; पूर्ण लोड परीक्षण (660 मेगावाट) और पूर्ण लोड पर 72 घंटे का ट्रायल रन पहले ही पूर्ण कर लिया गया। वाणिज्यिक परिचालन तिथि (सीओडी) की घोषणा एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रही क्योंकि यह आधिकारिक तौर पर उस बिंदु को चिह्नित करती है कि जब संयंत्र को वाणिज्यिक रूप से चालू माना जाता है और विद्युत का उत्पादन कर ग्रिड को आपूर्ति करने में सक्षम होता है। अनिवार्य रूप से, सीओडी यह दर्शाती है कि संयंत्र ने सभी आवश्यक परीक्षण और निरीक्षण पास कर लिए हैं। साथ ही यह निष्पादन मानकों को पूरा करता है तथा स्थिर और कुशल तरीके से विद्युत प्रणाली में योगदान देने के लिए तैयार है। खुर्जा एसटीपीपी में एकीकृत फ्लू गैस डी-सल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली अपनी तरह की अनूठी है जिसे रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है, जो खुर्जा एसटीपीपी परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

सीओडी यह भी सुनिश्चित करती है कि संयंत्र नियामक आवश्यकताओं और संविदात्मक दायित्वों का अनुपालन करता है। सीओडी की घोषणा के पश्चात संयंत्र हस्ताक्षरित विद्युत क्रय समझौतों के अनुसार ग्रिड को विद्युत की आपूर्ति प्रारंभ करता है | थर्मल पावर प्लांट को ग्रिड के साथ पूरी तरह से एकीकृत किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप क्षेत्र में विद्युत की स्थिर और निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। इस उपलब्धि के साथ खुर्जा सुपर थर्मल पावर प्लांट (केएसटीपीपी) अपने विद्युत उत्पादन का उत्तर प्रदेश को 64.7%, राजस्थान को 21.3%, उत्तराखंड को 3.9% और गैर-आवंटित क्षेत्रों को 10.1% विश्वसनीय विद्युत की आपूर्ति शुरू कर देगा।

श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक) ने इस उल्लेखनीय सफलता के लिए खुर्जा टीम को बधाई दी और टीम के सामूहिक प्रयासों पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा, “यह उपलब्धि परियोजना के निर्माण में शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, समर्पण और टीम वर्क का प्रतिबिंब है। हमारे कर्मचारियों ने पहली इकाई की समय पर कमीशनिंग सुनिश्चित करने के लिए चुनौतियों पर काबू पाने में अत्यधिक प्रतिबद्धता दिखाई है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है क्योंकि हम भविष्य में भी भारत की ऊर्जा प्रगति में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।”

श्री भूपेंद्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी) जो खुर्जा परियोजना में सीओडी के अवसर पर उपस्थित थे, ने टीम के प्रयासों की सराहना की और परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए विशेष रूप से फ्लू गैस से सल्फर डाई ऑक्साइड (SO_2) को हटाने के लिए, फ्लू गैस डी-सल्फराइजेशन (एमजीडी) प्रणाली को खुर्जा थर्मल पावर प्लांट में एकीकृत किया गया है। यह प्रणाली जीवाश्म ईंधन को जलाने के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती है, जिससे वायु की गुणवत्ता में सुधार होता है।

निदेशक (वित्त), श्री सिपन कुमार गर्ग ने भी टीम को बधाई दी और इस उपलब्धि के वित्तीय और रणनीतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "यह उपलब्धि एक कॉम्पलेक्स विद्युत परियोजना के सफल निष्पादन का प्रतिनिधित्व करती है और वित्तीय अनुशासन और सतत निवेश पर हमारे निरंतर ध्यान को भी दर्शाती है। यह उपलब्धि न केवल हमारे प्रभावी वित्तीय प्रबंधन और रणनीतिक योजना का प्रतिबिंब है, बल्कि कंपनी के वित्तीय विकास को सुदृढ करने के लिए एक प्रमुख ड्राइवर के रूप में कार्य करेगी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (परियोजना) श्री कुमार शरद, महाप्रबंधक (ओएण्डएम), श्री बी.के. साहू, महाप्रबंधक (विद्युत), श्री आर.एम. दुबे, अपर महाप्रबंधक, श्री शैलेश ध्यानी, अपर महाप्रबंधक, श्री मुकुल शर्मा, अपर महाप्रबंधक, श्री मनोज ग्रोवर, अपर महाप्रबंधक, श्री अनिल त्यागी, अपर महाप्रबंधक, श्री एन.के. भट्ट, उप महाप्रबंधक, श्री ए.के. विश्वकर्मा तथा केएसटीपीपी के अन्य कर्मचारी भी इस महत्वपूर्ण अवसर पर उपस्थित थे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 39वीं अर्धवार्षिक बैठक सम्पन्न

श्री आर.के.विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने निगम के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश को नराकास राजभाषा वैजयंती (प्रथम पुरस्कार) प्राप्त होने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार निगम में राजभाषा कार्यान्वयन के उत्कृष्ट निष्पादन को प्रदर्शित करता है। उन्होंने निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया कि राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में वे अपना अमूल्य योगदान देना जारी रखें। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 39वीं अर्धवार्षिक बैठक 29 जनवरी, 2025 को एम्स, ऋषिकेश में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नराकास अध्यक्ष एवं टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने की। बैठक में समिति के सदस्य संस्थानों के प्रमुखों/ प्रतिनिधियों एवं राजभाषा अधिकारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभागिता की। विदित है कि नराकास हरिद्वार देश की सबसे बड़ी नराकासों में से एक है जिसमें सदस्य संस्थानों की संख्या 67 है। इस समिति में रुड़की, हरिद्वार, ऋषिकेश एवं पर्वतीय क्षेत्र में स्थित केंद्र सरकार के संस्थान एवं कार्यालय सम्मिलित हैं। कार्यक्रम में सर्वप्रथम समिति के अध्यक्ष एवं टीएचडीसी के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह, एम्स, ऋषिकेश की डीन, प्रोफेसर जया चतुर्वेदी, बीएचईएल के महाप्रबंधक, श्री रंजन कुमार एवं टीएचडीसी के महाप्रबंधक (मा.सं.), डॉ. ए.एन.त्रिपाठी एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम का गायन किया गया। सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने करतल ध्वनि से इन विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

बैठक में नराकास राजभाषा वैजयंती योजना के अंतर्गत सदस्य संस्थानों को राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने प्रथम, बीएचईएल, हरिद्वार ने द्वितीय एवं भारत पेट्रोलियम मार्केटिंग डिवीजन, लंढोरा ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया । बैठक के दौरान पुरस्कार वितरण समारोह में समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने कर-कमलों से विजेता संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों को ये शील्ड प्रदान की। साथ ही छमाही के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

बैठक में नराकास सचिव, श्री पंकज कुमार शर्मा द्वारा नराकास हरिद्वार द्वारा आयोजित गतिविधियों एवं राजभाषा से संबंधित नवीनतम जानकारियों से अवगत कराया गया। उन्होंने राजभाषा हिंदी की प्रगति की अर्धवार्षिक रिपोर्टों की समीक्षा की। इसके उपरांत चर्चा सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित सदस्य संस्थानों के प्रमुख एवं प्रतिनिधियों ने अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। समिति के अध्यक्ष, श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपने संबोधन में सभी सदस्य संस्थानों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों को नववर्ष एवं गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं संप्रेषित की। साथ ही उन्होंने एम्स, ऋषिकेश को इस बैठक की मेजबानी करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने समिति के सभी सदस्य कार्यालयों से विशेष रूप से अनुरोध किया कि हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए नवीन और रचनात्मक उपायों को अपनाएं।

इस समिति की बैठक जब भी आयोजित की जाए तो यह प्रयास रहे कि उसमें कार्यालय के प्रमुख अधिकारी अनिवार्य रूप से सम्मिलित रहें एवं अपने संस्थान के अधिकारियों के साथ प्रत्येक तिमाही राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक करें। संस्थान के स्तर पर यह विचार करें कि हम अपने कार्य संचालन को हिंदी में और कैसे अधिक बढ़ावा दे सकते हैं। अपने कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशालाओं का नियमित आयोजन करें तथा कर्मचारियों को हिंदी में अधिक से अधिक काम करने के लिए प्रोत्साहित करें। उनके प्रयासों को मान्यता देते हुए उन्हें समय-समय पर पुरस्कार प्रदान करें तथा अपने-अपने कार्यालयों में हिंदी को सशक्त एवं प्रभावी भाषा बनाने में योगदान दें। उन्होंने सभी संस्थान प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों तथा राजभाषा अधिकारियों को बैठक में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया तथा सभी विजेता संस्थानों और प्रतियोगिताओं के विजेता कर्मचारियों को बधाई दी। अध्यक्ष नराकास, श्री शैलेन्द्र सिंह ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के हिंदी अनुभाग की सराहना करते हुए कहा कि यह अनुभाग पूरे निगम में राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के साथ-साथ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार को भी पिछले 08 वर्षों से सफलतापूर्वक संचालित कर रहा है। राजभाषा विभाग के द्वारा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों में 35 सदस्य संस्थानों की संख्या निर्धारित की गई है परन्तु यह समिति काफी समय पहले से ही इतने अधिक सदस्य संस्थानों के साथ आपसी तालमेल से कार्य कर रही है। इतनी बड़ी संख्या में राजभाषा विषयक आंकड़ों को संकलित करना एवं उनकी समीक्षा करना, सदस्य कार्यालयों से समन्वय करना काफी कठिन कार्य है। परन्तु टीएचडीसी का हिंदी अनुभाग श्री पंकज कुमार शर्मा, उप प्रबंधक (राजभाषा) एवं सचिव नराकास हरिद्वार के कुशल नेतृत्व एवं समर्पित प्रयासों से इस कार्य को सफलतापूर्वक निष्पादित कर रहा है।

THDC organized a medical talk on Healthy Heart and Lifestyle for its employees

THDC India Limited organized a medical talk on Healthy Heart and Lifestyle for its employees on January 24, 2025, at the Takshashila Sustainable Livelihood and Community Development- HRD Centre, Rishikesh. The event, conducted in collaboration with Max Super Specialty Hospital, Ghaziabad, underscores THDCIL's dedication to promoting employee health and wellness.

Sh. R. K. Vishnoi, CMD, THDCIL, underlined THDCIL's consistent efforts to prioritize the well-being of its workforce. Sh. Vishnoi mentioned that apart from leading in Innovation and excellence, the various employee benefits and initiatives at THDCIL ensures its employees enjoy a supportive and health-conscious workplace environment. Through various welfare initiatives, the company actively promotes balanced nutrition, preventive healthcare, regular exercise, and mental well-being, creating a supportive environment that nurtures employee health and productivity.

The event was inaugurated by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDC India Limited alongside Dr. Rajeev Agarwal, Principal Director of Interventional Cardiology at Max Super Speciality Hospital.

Speaking on the occasion, Sh. Shallinder Singh highlighted THDCIL's efforts in fostering a healthy workplace culture. THDCIL is recognized as one of the best workplaces due to its initiatives for employee welfare, and other initiatives. These efforts contribute significantly to the overall growth and wellbeing of our workforce. Sh. Singh, Director (Personnel) informed that the challenges posed by a Westernized lifestyle and the stress associated with corporate life often contribute to unhealthy habits. Initiatives like these health sessions play a crucial role in promoting the overall health and well-being of employees, ensuring a balanced and productive workforce.

Dr. Rajeev Agarwal delivered an insightful talk on the theme Healthy Heart and Lifestyle. The session, emphasized the importance of preventive healthcare, balanced nutrition, regular exercise, and stress management. He also commended THDCIL for its proactive approach to employee health and pledged continued support in future initiatives.

THDC India Limited has State-of-Art HRD Centre located in the serene city of Rishikesh, designed to cater to the diverse developmental needs of modern-day workforce. This world-class facility is equipped with cutting-edge infrastructure, providing an ideal environment for learning and growth. The centre regularly hosts wide range of national and international programs, workshops, and training sessions, covering technical, managerial, and leadership aspects for National and International organizations of repute.

The program was attended by Sh. Sandeep Singhal, ED (Technical), Sh. S. S. Panwar, CGM (OMS &IT), Dr. Amar Nath Tripathy, GM (HR-Admin, CC), Sh. S. K. Arya, Dy. CVO and other senior officials of THDCIL.

THDC Started Eye OPD in collaboration with Nirmal Eye Institute, Rishikesh at Niramaya Swastha Kendra

In line with its unwavering commitment to the health and well-being of its employees and their families, THDC India Limited (THDCIL), a Mini-Ratna PSU in the Power Sector, in collaboration with Nirmal Eye Institute, Rishikesh, has launched Eye Medical OPD services at Niramya Swastha Kendra, Rishikesh on 17th January 2025. This initiative reflects THDC India Limited's dedication to the health and well-being of its employees and their families.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, emphasized the importance of accessible healthcare in fostering a healthy workforce. Sh. Vishnoi stated that ensuring accessible healthcare is crucial for maintaining the physical well-being of our employees, as well as building trust and motivation within the team. This initiative underscores our dedication to supporting the health and happiness of our employees and their families.

The inauguration of the Eye OPD services began with the lighting of the lamp by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDC India Limited. Sh. Singh highlighted this initiative as a testament to THDC India Limited's proactive approach in addressing the health needs of our employees. By making medical care more accessible, we encourage a culture of wellness, helping our employees find a balance between their personal and professional lives. Emphasizing the company's strong focus on health, inclusivity, and personal well-being, Sh. Singh added that THDC India Limited remains dedicated to the welfare of its employees, fostering Sustainable Growth, and creating a supportive work environment, earning recognition as one of the Best Workplaces. The Eye Medical OPD services are part of a series of initiatives aimed at promoting work-life balance and ensuring the health and well-being of employees and their families.

Dr. Ajay Sharma, Nirmal Eye Institute, Sh. Atman Prakash, Nirmal Eye Institute, Sh. S. S. Panwar, Chief General Manager (OMS &IT), THDCIL, Sh. R. R. Semwal, Chief General Manager (Civil-Design),THDCIL, Sh. Ajay Kumar Garg, General Manager (Finance), Sh. R. C. Bahuguna, General Manager (L&A),THDCIL, Dr. Amarnath Tripathy, General Manager (HR-Admin, CC), THDCIL and other senior official were also present at the event.

The Eye OPD services, is available every Friday from 9:00 AM to 1:00 PM, will provide employees and their families with easy access to specialized eye care, reflecting THDCIL's commitment to ensuring the health and well-being of its valued team.

VPHEP: Assembly of the Rotor and Stay Ring of Unit-1 Turbine at the powerhouse service bay commenced

THDC India Limited (THDCIL) has achieved significant milestone in the construction of the 444 MW Vishnugad Pipalkoti Hydro Electric Project (VPHEP) with the commencement of the assembly of the Rotor and Stay Ring of Unit-1 Turbine at the powerhouse service bay.

Sh. R.K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDC India Limited, lauded the team for this achievement, stating that the commencement of the Rotor and Stay Ring assembly at VPHEP signifies a crucial stride toward commissioning this vital hydro project. THDCIL remains committed to engineering excellence and sustainable development, ensuring that VPHEP contributes significantly to India's renewable energy landscape while fostering regional growth.

The commencement of this crucial phase was inaugurated with a ceremonial puja in the esteemed presence of Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical), THDCIL.

Sh. Bhupender Gupta, Director (Technical) congratulated the VPHEP team for their relentless efforts and dedication. He emphasized that the assembly of the Rotor and Stay Ring is a critical milestone in the installation of the hydro-generating unit, reflecting THDCIL's commitment to precision and efficiency. He reiterated that VPHEP will play a vital role in India's renewable energy transition, ensuring sustainable development and energy security.

सेवा-टीएचडीसी के सौजन्य से निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड- सेवा के सौजन्य से एवं निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई की प्रेरणा से तथा निर्मल आश्रम आई इंस्टीट्यूट के सौजन्य से दिनांक 05 जनवरी, 2025 को निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन सलेक चंद्र सरस्वती विद्या मंदिर हाई स्कूल मोहम्मदपुर, देवमल में किया गया। इस निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 180 मरीजों का नेत्रोपचार किया गया। वहीं, 50 मरीजों की शल्य चिकित्सा की गई।

शिविर का शुभारंभ बिजनौर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक श्री रघुवीर सिंह विश्नोई जी द्वारा किया गया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस शिविर का आयोजन मुख्य रूप से निर्धन एवं आश्रितों हेतु किया जा रहा है, जिसमें टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की ओर से निशुल्क नेत्र परीक्षण एवं शल्य चिकित्सा एवं मरीजों के लिए अन्य नेत्रोपचार की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। उनके द्वारा यह आह्वान किया गया कि लोग अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाएं।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित होने वालों में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अपर महाप्रबंधक श्री हर्ष कुमार जिंदल, वरिष्ठ प्रबंधक, श्री डी. पी. त्यागी, ओ.एस.डी., श्री दीपक बिष्ट, सहायक प्रबंधक, श्री संजीत चौधरी, अभियंता, श्री अमल कुमार, निर्मल आई इंस्टीट्यूट की ओर से डॉ किरण, श्री वसीम खान (जनसंपर्क अधिकारी), नेत्र सहायक कुमारी सदिया, विद्यालय के प्रधानाचार्य, श्री कोमल कुमार, वरिष्ठ अध्यापक, श्री नीरज सिंह एवं स्कूल के अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

Ladies Welfare Association, in collaboration with Seva-THDC, organized a free medical camp at Triveni Ghat, Rishikesh

THDC India Limited remains deeply committed to its Corporate Social Responsibility (CSR) initiatives, aiming to support the well-being of communities, especially in its areas of presence. Reinforcing the company's role as a responsible Corporate entity, Sh. R. K. Vishnoi, CMD THDCIL, informed that THDCIL’s Ladies Welfare Association, in collaboration with Seva-THDC, organized a one-day free medical camp at Triveni Ghat, Rishikesh, utilizing the expertise of doctors from THDCIL’s dispensary.

Sh. Vishnoi added that through various CSR initiatives, the company is committed to improving health outcomes and providing essential services to local and project-affected communities. With a strong presence in Uttarakhand, the company continues to implement various CSR activities across multiple verticals, ensuring the holistic development of the areas it serves. These verticals include THDC Niramaya (focused on health, sanitation, nutrition, and drinking water), THDC Jagriti (dedicated to education initiatives), THDC Daksh (aiming at skill development and livelihood generation), THDC Utthan (promoting rural development), THDC Samarth (empowering marginalized groups), THDC Saksham (caring for the differently-abled and elderly), THDC Prakriti (focusing on environmental sustainability) and others.

The medical camp was inaugurated by Smt. Chanchal Vishnoi, Chief Patron of THDCIL’s Ladies Welfare Association in the presence of Smt. Manu Shikha Gupta, Patron of the Association. The medical camp provided essential healthcare services to the underserved and economically disadvantaged sections of the community. During her address, Smt. Vishnoi urged the beneficiaries to maintain cleanliness in their surroundings to prevent the spread of diseases.

The camp provided essential healthcare services to underserved and economically disadvantaged populations. A dedicated team of medical professionals from Niramya Swasthya Kendra and THDCIL’s dispensary conducted health check-ups, which included monitoring vital health indicators such as blood pressure, weight, and other key measurements. Free medicines were also distributed, offering much-needed medical support to those in need. In addition to healthcare, food items were provided to further support the community.

A total of 259 individuals, including 67 women and 192 men, benefited from the medical camp.

Dr. A.N. Tripathy, GM (HR, A and CC), Sh. Amardeep, GM (S&E), Dr. Vibha Chaudhary, CMO, Dr. Manoj Rangad along with several other employees of THDCIL and members of Ladies Welfare Association also actively participated in the event.

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:

Let noble thoughts come to us from every side.

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन तेजस्विनी द्वारा बच्चों के लिए वेलफेयर कार्यक्रम का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 21 जनवरी, 2025 को बच्चों के लिए वेलफेयर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक कर्तव्यों का निर्वहन करना था। इस कार्यक्रम में ऋषिकेश स्थित आवासीय कॉलोनी में नवस्थापित वेलफेयर सेंटर का उद्घाटन एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका, श्रीमती चंचल विश्नोई ने रिबन काट कर किया। इस अवसर पर संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम को सुशोभित किया। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए जैसे एक्शन एक्टिविटी, प्रश्नोत्तरी एवं दो बच्चों ने अपने भाषण के माध्यम से चिल्ड्रन क्लब में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में बताया।

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन 'तेजस्विनी' द्वारा शीतकालीन गेम्स और लोहड़ी उत्सव का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 20 जनवरी, 2025 को शीतकालीन गेम्स और लोहड़ी उत्सव का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस आयोजन में एसोसिएशन की सभी सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई द्वारा रिबन काटकर किया गया। इस अवसर पर श्रीमती पूजा गर्ग, संरक्षिका भी उपस्थित रहीं | प्रतियोगिता में कई खेलों का आयोजन किया गया जिनमें बैडमिंटन, बास्केटबॉल, टॉफी रेस ,पिट्ठू और लेमन रेस जैसे खेल शामिल थे। सभी सखियों ने अपनी प्रतिभा का खूब प्रदर्शन किया और बहुत उत्साह के साथ भाग लिया |

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन ने देखी फिल्म इमरजेंसी

लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 22 जनवरी, 2025 को रामा पैलेस, ऋषिकेश में मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई व संरक्षिका श्रीमति पूजा गर्ग के साथ क्लब की सदस्याओं को "इमरजेंसी" फिल्म दिखाई गई। क्लब की सभी महिलाओं एवं बच्चों ने इस फिल्म का खूब आनंद लिया।

वीपीएचईपी में अंतर विभागीय इनडोर और आउटडोर खेल प्रतियोगिता का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की 444 मेगावाट विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग द्वारा कर्मचारियों के लिए अंतर विभागीय इनडोर और आउटडोर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच सौहार्द, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना था। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने इस आयोजन में पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ भाग लिया, जो न केवल उनके कार्य के प्रति समर्पण बल्कि फिटनेस और खेल भावना को भी दर्शाता है।

20 जनवरी, 2025 को इस खेल महोत्सव की शुरुआत वॉलीबॉल प्रतियोगिता से हुई। चार टीमों—गांधी सदन, महाराणा प्रताप सदन, टैगोर सदन, और सुभाष चंद्र बोस सदन—ने इसमें भाग लिया। कड़े और रोमांचक मुकाबलों के बाद महाराणा प्रताप सदन विजेता बना, जबकि गांधी सदन ने उपविजेता का स्थान हासिल किया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी बेहतरीन खेल क्षमताओं, टीम वर्क और खेल भावना का प्रदर्शन किया, जो टीएचडीसी द्वारा प्रोत्साहित सहयोग और एकता के मूल्यों को दर्शाता है।

इनडोर खेलों में कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 35 कर्मचारियों ने सिंगल और डबल्स श्रेणियों में भाग लिया और अपनी रणनीतिक सोच और कौशल का प्रदर्शन किया। सिंगल श्रेणी में, श्री नरेश जोशी (जूनियर इंजीनियर, मैकेनिकल) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता का खिताब जीता। डबल्स श्रेणी में, श्री अजय राणा (जूनियर इंजीनियर, यूपीएल) और श्री हयात सिंह (जूनियर इंजीनियर, यूपीएल) की जोड़ी ने शानदार तालमेल और कौशल का प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

परियोजना प्रमुख श्री अजय वर्मा ने मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग की इस उत्कृष्ट पहल की सराहना की और सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साह, प्रयास और खेल भावना के लिए बधाई दी। श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (प्रभारी- मा. सं. एवं प्रशा.) ने इस अवसर पर कहा, "यह प्रतियोगिता केवल जीतने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसका उद्देश्य कर्मचारियों के बीच स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन और एकता को प्रोत्साहित करना था।" इस प्रकार के आयोजन टीएचडीसीआईएल की कर्मचारियों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता और सकारात्मक व सहयोगात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयासों का प्रतीक हैं।

वीपीएचईपी परियोजना प्रभावित क्षेत्र में रखी गई 50 बेड के नए अस्पताल भवन की नींव

विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना, चमोली के प्रभावित क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ अस्पताल के लिए 50 बेड की क्षमता वाले आधुनिक अस्पताल भवनों का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ।

15 जनवरी, 2025 को सेमलडाला मैदान के समीप आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में नए भवनों के निर्माण की आधारशिला रखी गई। यह अस्पताल लगभग 35 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा। इस अवसर पर टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि श्री जे.एस. बिष्ट, महाप्रबंधक (यांत्रिक एवं सामाजिक एवं पर्यावरण) और श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (टीबीएम) ने कार्यक्रम में भाग लिया।

परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने सामाजिक विभाग की सराहना करते हुए कहा कि इस अस्पताल के निर्माण से स्थानीय समुदाय को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल क्षेत्र के स्वास्थ्य विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इस अवसर पर श्री जे.एस. बिष्ट ने कहा कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रूप में न केवल परियोजना निर्माण में संलग्न है, बल्कि प्रभावित क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए भी सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा, "हम इस क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से स्वामी विवेकानंद धर्मार्थ अस्पताल को आधुनिक और सुविधा संपन्न बनाने में हरसंभव सहयोग कर रहे हैं।" क्षेत्रीय जनता ने इस कार्य की सराहना करते हुए खुशी व्यक्त की और टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के प्रति आभार प्रकट किया।

टीएचडीसी परिवार में नए सदस्यों का हार्दिक स्वागत

डॉ. अभिज्ञान बहुगुणा,
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी,
डिस्पेंसरी, टिहरी

डॉ. डी. वेंकट वंशीधर रेड्डी,
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी,
निरामय स्वास्थ्य केंद्र, ऋषिकेश

डॉ. नीतिका शर्मा,
वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी,
डिस्पेंसरी, पीपलकोटी

आ नो भद्रा: क्रतवो यन्तु विश्वत:
Let noble thoughts come to us from every side.

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर छात्रों ने किया वीपीएचईपी का शैक्षिक दौरा

अंतरराष्ट्रीय शिक्षा दिवस (24 जनवरी, 2025) के अवसर पर टीएचडीसी ने एचसीसी के सहयोग से 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना (वीपीएचईपी) का शैक्षिक औद्योगिक दौरा आयोजित किया। इस दौरे में गोपेश्वर स्थित क्राइस्ट अकादमी के कक्षा दसवीं के 39 छात्र और उनके 6 शिक्षक शामिल हुए। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को जलविद्युत उत्पादन और उन्नत इंजीनियरिंग तकनीकों के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था।

टीएचडीसी और एचसीसी के अधिकारियों द्वारा इस दौरे को सभी सुरक्षा मानकों और उपायों का पालन करते हुए सुचारू रूप से आयोजित किया गया। छात्रों ने वीपीएचईपी के प्रमुख घटकों जैसे पावरहाउस, ट्रांसफॉर्मर हॉल और टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) साइटों का दौरा किया। उन्होंने टीबीएम टनल के चल रहे निर्माण कार्य को देखा और बड़ी अवसंरचना परियोजनाओं में टीबीएम प्रौद्योगिकी के उपयोग और इसके फायदों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, वीपीएचईपी, श्री अजय वर्मा ने कहा, "क्राइस्ट अकादमी के अनुरोध पर हमने इस शैक्षिक दौरे का आयोजन किया, ताकि स्थानीय छात्रों को जलविद्युत परियोजनाओं के महत्व को समझने का अवसर मिल सके। यह पहल न केवल छात्रों के ज्ञान और अनुभव के लिए लाभदायक है, बल्कि परियोजना के हित में भी है, क्योंकि ये छात्र स्थानीय परिवारों से हैं और क्षेत्रीय विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।"

इस दौरे ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुप्रयोग से जोड़ने का अवसर प्रदान किया, जिससे उन्हें नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास की गहरी समझ प्राप्त हुई। यह दौरा यह भी दर्शाता है कि जलविद्युत परियोजनाएँ कैसे देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में योगदान करती हैं और पर्यावरण पर न्यूनतम प्रभाव डालती हैं।

छात्रों ने इस दौरे के आयोजन के लिए टीएचडीसी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने इसे एक प्रेरणादायक अनुभव बताया, जिसने उनके दृष्टिकोण को व्यापक किया और उन्हें इंजीनियरिंग और सतत ऊर्जा समाधान के बारे में अधिक जानने के लिए प्रेरित किया। टीएचडीसी स्थानीय समुदायों के साथ जुड़ने और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देने वाली शैक्षिक पहलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

Awareness & Knowledge sharing session on Vitamin D

Kaushambi

An Awareness & Knowledge sharing session was conducted on the topic "VITAMIN D" by Dr. Navneet Kiran, AGM (Medical) /Chief Medical Officer on 28 January, 2025 at the NCR office, Ghaziabad. During the session, Dr. Navneet Kiran explained the importance of “Vitamin D” for healthy life and elaborated the impact of vitamin D on human body's bone health, immune system, and muscular system, as well as on mood and mental health.

She also deliberated that proper maintainability of Vitamin D is essential in order to maintain happy and healthy life style. During the session, she also mentioned the sources of vitamin D, its safe consumption limits, and risk factor arises due to its deficiency.

Dr. Kiran specifically mentioned that due to the less exposure to natural sunlight, society at large is now facing the issue of Vitamin D deficiency. Although, people prefer to take supplements to balance vitamin D level, but care should be taken to avoid any excess consumption. It is recommended to maintain a proper combination of sunlight, diet, and (if necessary) supplementation for healthy life style. The session was attended by the employees of NCR office.

टीएचडीसी में किया गया टीबी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन

100 Day Intensified Campaign on TB Elimination कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 23 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला क्षय उन्मूलन समिति के सहयोग से सामुदायिक भवन, टीएचडीसीआईएल- ऋषिकेश में अधिकारियों/कर्मचारियों (नियमित/FTB/Associates/संविदाकर्मी/अन्य) एवं परिसर में निवास कर रहे परिवार के सदस्यों हेतु टीबी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। इसके लिए टीएचडीसी ऋषिकेश इकाई में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों (नियमित/FTB/Associates/संविदाकर्मी/अन्य) एवं परिसर में निवास कर रहे परिवार के सभी सदस्यों का टीबी सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण में वल्नरबल 137 लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इन 137 लोगों का टीबी स्क्रीनिंग शिविर में Chest X Ray, RBS, BP, Weight and Height जांच की गई। इन 137 लोगों में से 12 लोगों के बलगम का सैम्पल जांच हेतु भेजे गए। भेजे गए नमूनों में से कोई भी नमूना क्षय ग्रसित नहीं पाया गया। यह टीबी स्क्रीनिंग शिविर मुख्य चिकित्साधिकारी, डॉ. विभा चौधरी, भौतिक चिकित्सक, डॉ. मधुर चौधरी, जी. डी. एम. ओ., डॉ. अभिज्ञान बहुगुणा एवं औषधालय स्टाफ की उपस्थिति में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

यह 100 दिवसीय अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तत्वावधान में राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के व्यापक ढांचे का अंग है, जो टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एनएसपी) 2017-2025 से संबद्ध है। एनएसपी टीबी के मामलों में कमी लाने, निदान और उपचार की क्षमताओं को बेहतर बनाने और इस रोग के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों को दूर करने पर केंद्रित है। यह महत्वाकांक्षी पहल 2018 के टीबी उन्मूलन शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित विजन को प्रतिबिम्बित करती है, जिसमें उन्होंने 2025 तक टीबी मुक्त भारत का लक्ष्य हासिल करने का संकल्प लिया था।

इसी अभियान के अंतर्गत निगम के कॉरपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में टीबी स्क्रीनिंग शपथ भी कर्मचारियों द्वारा ली गई |

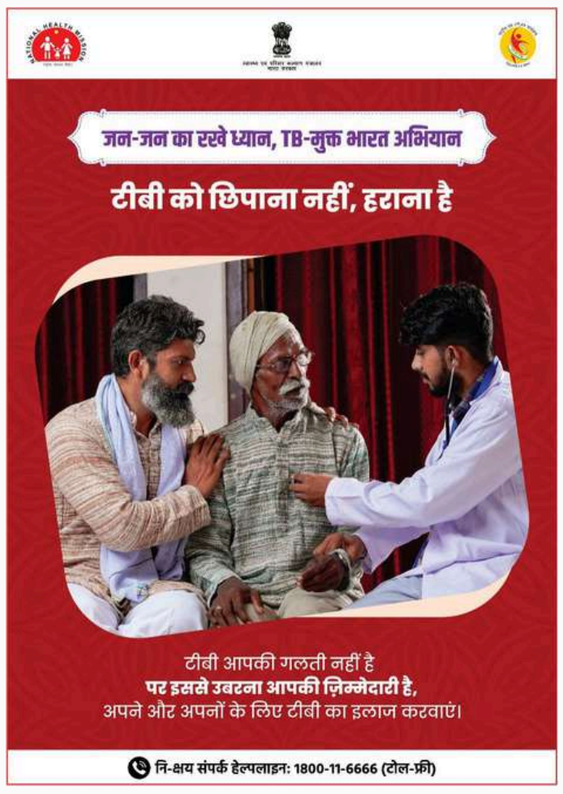

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री हरजीत सिंह भल्ला
अपर महाप्रबंधक (वाणिज्यिक),
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री एम. के. सकलानी
वरिष्ठ प्रबंधक (पावर हाउस),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री जे. बी. देवली
वरिष्ठ प्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री लक्ष्मण सिंह नेगी
वरिष्ठ प्रबंधक
टयूको लि., देहरादून
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री टी. एस. रावत
उप प्रबंधक (वित्त एवं लेखा)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री श्याम लाल थपलियाल
उप अधिकारी (मा. सं एवं प्रशा.)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री जसपाल सिंह नेगी
उप अधिकारी (वित्त एवं लेखा),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री भोपाल सिंह बिष्ट
उप अधिकारी(प्रशा.)
कौशांबी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री शैलेंद्र पांडेय
उप अभियंता (ओ एंड एम),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री मंगल सिंह पंवार
उप अधिकारी (ओ एंड एम),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री विजय पी. नौटियाल
वरिष्ठ सहायक (इलेक्ट्रिकल),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

श्री अतर सिंह
सहायक (मेकैनिकल),
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 31-01-2025

बधाई संदेश

Miss Shambhavi Jaiswal, D/o Sh. Ramesh Chandra, DGM (Mechanical) awarded with the Gold Medal for her outstanding academic achievements in Bachelor of Law (2021-2024) by Amity University, Noida. This exceptional accomplishment reflects her unwavering dedication, hard work, and academic brilliance. THDC India Limited wishes her best of luck for her future endeavors.

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

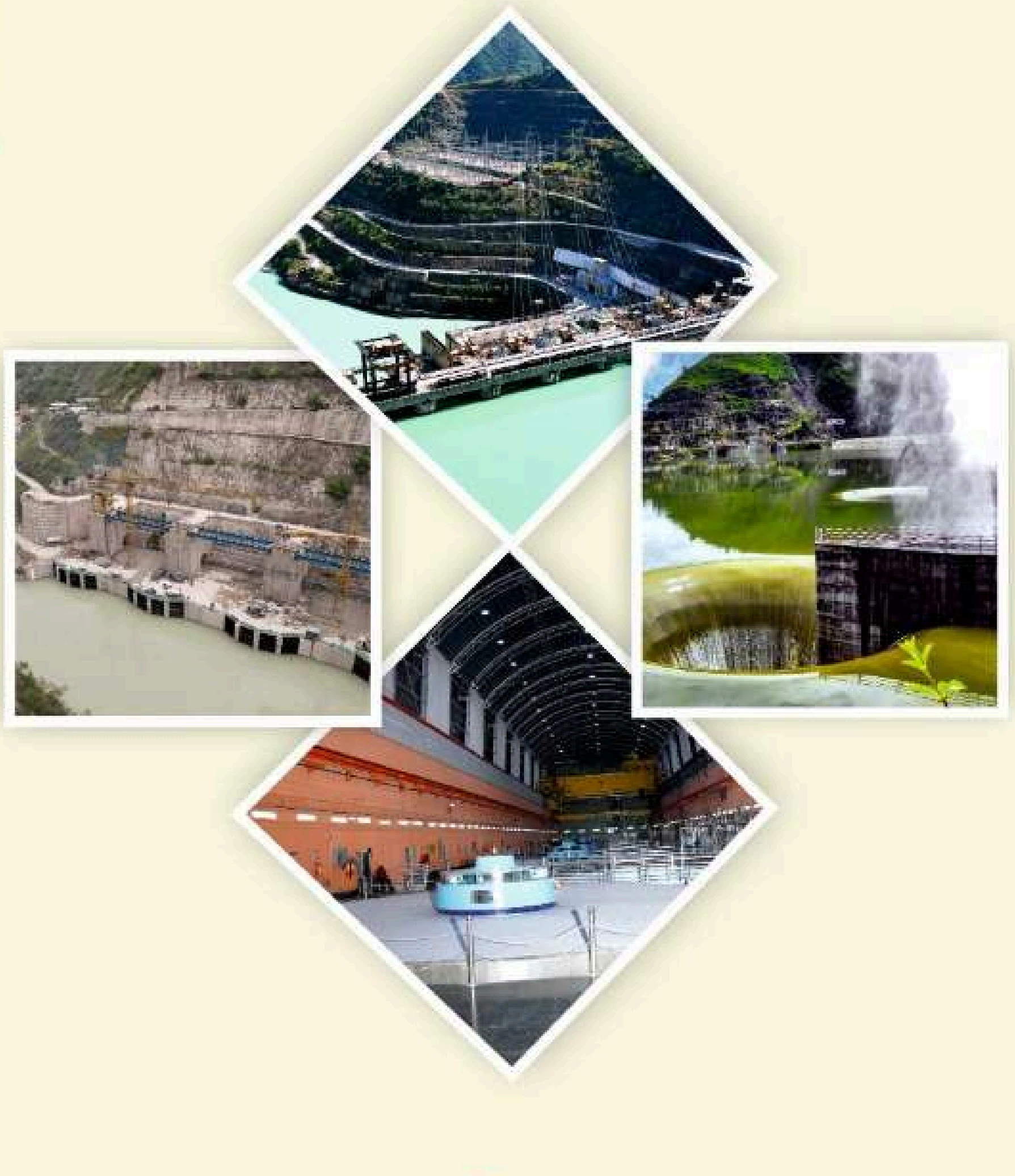

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन व जनसम्पर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड़, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)